



न्यायालय सहायक कलक्टर (फास्ट ट्रेक) श्रीमाधोपुर (सीकर)  
पीतासीन अधिकारी - श्री दिलीप सिंह (RAS)

प्रकरण संख्या	जीसीएमएस	वायर दिनांक	निर्णय दिनांक
62 / 2023	2023 / 134	18.04.2023	03.08.2023

उनवान

1. सोहनलाल पुत्र नानूराम आयु 56 वर्ष जाति अहीर निवासी ढाणी डाबड़ावाली तन ग्राम झाड़ली तहसील श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान

— वादी —

बनाम

1. रामेश्वर पुत्र भगवानाराम
2. कैलाश पुत्र भगवानाराम
3. झाबर पुत्र भगवानाराम
4. मोहनी देवी पत्नी भगवानाराम
5. पप्पूराम पुत्र मांगूराम उर्फ मांग्या  
रामस्त जाति अहीर निवासीगण ढाणी डाबड़ावाली तन् ग्राम झाड़ली तहसील श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान
6. लैण्ड होल्डर जरिये तहसीलदार श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान
7. शाखा प्रबंधक, एसबीआई शाखा अजीतगढ़ जिला सीकर राजस्थान (नाम हजफ)
8. शाखा प्रबंधक, राजस्थाना क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक शाखा झाड़ली तहसील श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान (नाम हजफ)

—प्रतिवादीगण —

9. बंशीधर पुत्र नानूराम
10. पांती देवी पत्नी मूलचन्द बाबूलाल पुत्र मूलचन्द
11. महेन्द्र पुत्र मूलचन्द



*Dilip Singh*  
03/08/23  
दिलीप सिंह  
सहायक कलक्टर (फास्ट ट्रेक)  
श्रीमाधोपुर (सीकर)

12. रामवतार पुत्र मूलचन्द्र

समस्त जाति अहीर निवासीगण टाणी डाबडावाली तन् ग्राम झाड़ली तहसील  
श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान

—तरतीबी प्रतिवादीगण—

उपस्थित : - श्री आदित्य प्रताप नरुका/श्री रणवीर सिंह शेखावत/श्री नरेश  
शर्मा एड0 वादी अभिभाषक।

श्री कानाराम पुनियां/भारत भूषण सामोता एड0 प्रतिवादी  
संख्या-5

सरकारी पैरोकार तहसीलदार श्रीमाधोपुर प्रतिवादी संख्या-6



दावा बाबत उद्घोषणा, स्थायी निषेधाज्ञा एव दुरुस्ती रिकॉर्ड  
(अन्तर्गत धारा 88, 188 राज0 काश्त0 अधिनियम)

—:: निर्णय ::—

संक्षेप में विवरण इस प्रकार है कि वादी ने एक वाद खिलाफ प्रतिवादीगण के इस आशय से प्रस्तुत किया कि कृषि भूमि खसरा नम्बर 3043 ता 3052 कुल किता 10 कुल रकबा 4.28 है0 तन् ग्राम झाड़ली तहसील श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान में अवस्थित है। उक्त भूमि की 1/4 हिस्से की खातेदारी गलती से बक्सा पुत्र लादूराम के गलत रूप से नाम दर्ज चली आ रही है। वादी एवं तरतीबी पक्षकारगण व प्रतिवादी नम्बर 1 ता 5 एक ही परिवार के सदस्य है। सजरा खानदान के अनुसार लादूराम के तीन पुत्र मांगूराम उर्फ मांग्या, नानूराम भगवानाराम हुये है तथा मृतक लादूराम के बक्सा नाम का कोई पुत्र नहीं हुआ है तथा केवल तीन पुत्र ही हुये है। बक्सा पुत्र लादूराम का कोई व्यक्ति गांव, समाज में नहीं है ना ही इसको कभी किसी ने देखा है तथा लादूराम के तीन पुत्र मांगूराम उर्फ मांग्या, नानूराम भगवानाराम हुये है तथा उक्त तीनों का स्वर्गवास हो चुका है जिनमें मांगूराम उर्फ मांग्या का प्रतिवादी नम्बर 5 वारिस है तथा मृतक नानूराम के वादी एवं तरतीबी प्रतिवादी नम्बर 9 पुत्र संतान एवं प्रतिवादी नम्बर 10 ता 13 पुत्रवधु

एवं पौत्र संतान होकर वारिस है एवं मृतक भगवानाराम क प्रतिवादी नम्बर 1 ता 4 वारिस है तथा वादी एवं तरतीबी पक्षकार एवं प्रतिवादीगण नम्बर 1 ता 5 सभी वारिसान अपने-अपने सजरा खानदान के हिस्से अनुसार बरसा पुत्र लादूराम के मलत रूप से नाम दर्ज 1/4 हिस्से पर काबिज काश्त चले आ रहे है। इसी अनुसार पक्षकारान उक्त भूमि पर अपने वक्त बुजुर्गान से तन्हा रूप से बिना किसी बाधा व रोकटोक के प्रतिवादीगण की जानकारी में काश्त कर रहे है। इस कारण उक्त लम्बे कब्जे के आधार पर विपरीत कब्जा के आधार पर भी वादीगण कानूनन उक्त भूमि पर खातेदार काश्तकार हो चुके है और उक्त खातेदारी अधिकारों की घोषणा करवाने के वादी कानूनन अधिकारी है। वादी एवं तरतीबी पक्षकार उक्तानुसार वक्त बुजुर्गान अर्थात् पिता/दादा के समय से लगातार अपने हिस्सेनुसार बरसा पुत्र लादू के नाम दर्ज भूमि पर काबिज काश्त होने से उक्त भूमि बाबत खातेदारी अधिकारों की घोषणा करवाने के कानूनी अधिकारी है। अर्थात् वादी एवं तरतीबी पक्षकार अपने उक्त अधिकारों की घोषणा बाबत यह दावा प्रस्तुत कर रहे है, क्योंकि उक्त भूमि पर वादी एवं तरतीबी पक्षकार उक्त बुजुर्गान से काबिज काश्त है। अर्थात् इस भूमि पर वादी एवं तरतीबी पक्षकारान को कानूनन खातेदारी अधिकार प्राप्त हो चुके है और उक्त अधिकारों की घोषणा किया जाना अति आवश्यक एवं न्यायोचित है क्योंकि उक्त खातेदारी अधिकारों की घोषणा के अभाव में वादी एवं तरतीबी पक्षकार अपने विधिक अधिकारों से वंचित हो रहे है। जिसके बाबत वादी एवं तरतीबी पक्षकार को सख्त हकतल्फी है तथा वादी एवं तरतीबी पक्षकार उक्त घोषणा के अभाव में वक्त बुजुर्गान के समय से कब्जा काश्त में चली आ रही कृषि भूमि का समुचित विकास नहीं कर पा रहे है तथा समय-समय पर भू-धारकों को मिलने वाली राजकीय सहायताओं से भी वादीगण वंचित हो रहे है। वादी एवं तरतीबी पक्षकार ने प्रतिवादीगण को भूमि की खातेदारी अपने-अपने हिस्से अनुसार नाम करवाने के लिए बार-बार कहते रहे व वादी एवं तरतीबी पक्षकार को प्रतिवादीगण उनकी उक्त भूमियों की खातेदारी वादी एवं तरतीबी पक्षकार के नाम करवाने का काफी समय से आश्वासन देते रहे लेकिन दिनांक 20.03.2023 को प्रतिवादीगण ने वादी एवं तरतीबी पक्षकार की उक्त भूमियों की खातेदारी वादीगण एवं तरतीबी पक्षकार के नाम करवाने से स्पष्ट मना कर दिया व स्वयं के अकेले के नाम खातेदारी दर्ज करवाने की एहलानिया धमकी देने वादी एवं तरतीबी पक्षकार के कब्जा काश्त में मजाहमत पैदा करने लग गये, एवं उक्त घोषणा उत्पन्न होकर वादपत्र माननीय अदालत हाजा में पेश करना आवश्यक



हुआ। प्रकरण में कृषि भूमि खसरा नम्बर 3043 ता 3052 कुल किता 10 कुल रकबा 4.28 है0 तन् ग्राम झाड़ली तहसील श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान में बक्सा पुत्र लादूराम के नाम दर्ज 1/4 हिस्से में से वादी एवं तरतीबी प्रतिवादीगण को 1/3 हिस्से का एवं प्रतिवादीगण नम्बर 1 ता 4 को 1/3 हिस्से का व प्रतिवादी नम्बर 5 को 1/3 हिस्से का काबिज खातेदार काश्तकार घोषित किया जाकर उक्त भूमि से बक्सा पुत्र लादूराम का नाम राजस्व रिकार्ड से हजफ फरमाया जाकर राजस्व रिकार्ड दुरुस्त फरमाने एवं प्रतिवादीगण को जरिये स्थाई निषेधाज्ञा से प्रतिबंधित करवाने हेतु निवेदन किया।

इस पर वादी द्वारा प्रस्तुत वादपत्र को दर्ज रजिस्टर किया। प्रतिवादी संख्या 5 की ओर से श्री कानाराम पुनियां और भारत भूषण सामोता ने उपस्थित होकर वकालतनामा पेश किया। पक्षकारान द्वारा प्रशासन गाँव एवं शहरों के संग अभियान में एक पारिवारिक समझौता दिनांक 15.06.2023 को पेश किया। जिसमें पक्षकारान द्वारा बक्सा पुत्र लादू के नाम दर्ज हिस्सा 1/4 को मौके पर लादू के तीन पुत्र संतान (1) मांगू उर्फ मांग्या, (2) नानू राम (3) भगवाना राम में बराबर-बराबर बांटकर इसी अनुसार खातेदारी अंकित किये जाने बाबत अपनी-अपनी सहमति प्रदान की है। कृषि भूमि खसरा नम्बर 3043 ता 3052 कुल किता 10 कुल रकबा 4.28 है0 तन् ग्राम झाड़ली तहसील श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान में बक्सा पुत्र लादूराम के नाम दर्ज 1/4 हिस्से में से वादी एवं तरतीबी प्रतिवादीगण को 1/3 हिस्से का एवं प्रतिवादीगण नम्बर 1 ता 4 को 1/3 हिस्से का व प्रतिवादी नम्बर 5 को 1/3 हिस्से का काबिज खातेदार काश्तकार घोषित किया जाकर उक्त भूमि से बक्सा पुत्र लादूराम का नाम राजस्व रिकार्ड से हजफ फरमाया जाकर राजस्व रिकार्ड दुरुस्त किये जाने की इस्तदुआ चाही है। वकील वादी ने प्रार्थना पत्र बाबत् नाम हजफ प्रतिवादी संख्या 7 व 8 का पेश कर स्वीकार किये जाने का निवेदन किया। प्रार्थना पत्र को स्वीकार किया जाकर प्रतिवादी संख्या 7 व 8 का नाम हजफ किया गया।

हमने प्रकरण में पक्षकारान द्वारा आपसी समझौता/राजीनामा पेश होने से तनकीयात कायम नहीं की जाकर सीधे ही वकुलाय उभय पक्षकारान की बहस बहुपक्षीय सुनी। पत्रावली का अवलोकन किया तथा वकुलाय उभय पक्षकारान द्वारा की गई बहस पर सगौर मनन किया। पत्रावली व पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों एवं राजस्व रिकार्ड अंतिम चौसला आधार जमाबंदी संवत् 2074-2077 इत्यादि का अवलोकन किया गया। जिनके



*[Handwritten signature]*  
श्रीमाधोपुर  
श्रीमाधोपुर

होना प्रकट होता है। उपरोक्तानुसार वादी का वादपत्र स्वीकार होने योग्य पाये जाने पर स्वीकार किया जाकर दावा डिक्री किया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है।

—:: क्रियात्मक आदेश ::—

अतः उपर्युक्त विश्लेषण से वादी का वाद वावत् घोषणा एवं दुरुस्ती रिकार्ड को स्वीकार किया जाता है तथा घोषणा की जाती है कि कृषि भूमि खसरा नम्बर 3043 ता 3052 कुल किता 10 कुल रकबा 4.28 है० तन् ग्राम झाड़ली तहसील श्रीमाधोपुर जिला सीकर राजस्थान में बक्सा पुत्र लादूराम के नाम दर्ज 1/4 हिस्से में से वादी एवं तरतीबी प्रतिवादीगण को 1/3 हिस्से का एवं प्रतिवादीगण नम्बर 1 ता 4 को 1/3 हिस्से का व प्रतिवादी नम्बर 5 को 1/3 हिस्से का काबिज खातेदार काश्तकार घोषित किया जाकर उक्त भूमि से बक्सा पुत्र लादूराम का नाम राजस्व रिकार्ड से हजफ किया जाकर राजस्व रिकॉर्ड में दुरुस्त किये जाने का आदेश दिया जाता है। तदनुसार राजस्व रिकार्ड दुरुस्त किया जावें। इसी अनुसार पर्चा डिक्री जारी हो। पत्रावली फैसल शुमार होकर बाद तकमील दाखिल दफ्तर हो।



*[Signature]*  
03/08/23  
दिलीप सिंह  
सहायक कलेक्टर (फास्ट ट्रेक)  
श्रीमाधोपुर (सीकर)

यह निर्णय आज दिनांक 03.08.2023 को मेरे द्वारा लिखाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।



*[Signature]*  
03/08/23  
(दिलीप सिंह)  
सहायक कलेक्टर (फास्ट ट्रेक)  
श्रीमाधोपुर (सीकर)